पुष्कर के होकरा गांव में खेतों और बोरवेल मशीनों से उपकरण चोरी

कई खेतों में हुई चोरी की घटना के बाद किसानों और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है

पुष्कर/अजमेर, (निसं)। पुष्कर थाना क्षेत्र के निकटवर्ती ग्राम होकरा में बीती रात अज्ञात चोरों ने खेतों और बोरवेलों को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर बोरवेल मशीनों में लगी करीब 12 से 13 मीटर कॉपर केबल, सोलर उपकरण, ट्रांसफॉर्मर से जुड़े सामान और बोरवेल मोटरों के उपकरण चोरी कर ले गए। इसके अलावा खेतों में खड़े ट्रैक्टरों की टंकियों से डीजल भी निकाल लिया गया। एक साथ कई खेतों में हुई चोरी की घटना के बाद किसानों और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

जानकारी के अनुसार, चोरी की वारदात का पता शुक्रवार सुबह उस समय चला, जब किसान अपने खेतों पर खेती और सिंचाई का काम करने पहुंचे। खेतों में पहुंचने पर किसानों ने देखा कि बोरवेल मशीनों से कॉपर केबल काटकर निकाल ली गई है और कई उपकरण गायब हैं। खेतों में सामान अस्त-व्यस्त मिलने के बाद किसानों ने आसपास के अन्य खेतों में भी जांच की, जहां कई जगह चोरी होने की बात सामने आई। ग्रामीणों के अनुसार, चोरों ने केवल कॉपर केबल ही नहीं चुराई, बल्कि बोरवेल और खेतों में लगे अन्य महंगे उपकरणों को भी निशाना बनाया। बदमाश सोलर सेट, ट्रांसफॉर्मर के उपकरण और बोरवेल मोटरों से जुड़े सामान लेकर फरार हो गए। एक ही रात में कई खेतों को निशाना बनाए जाने से ग्रामीणों को आशंका है कि वारदात में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं। बोरवेल की कॉपर केबल और आवश्यक उपकरण चोरी होने के कारण किसानों के सामने सिंचाई की समस्या खड़ी हो गई है। किसानों का कहना है कि खेतों में खड़ी फसलों को समय पर पानी नहीं मिल पाया तो उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। चोरी हुए उपकरणों को दोबारा लगवाने और बोरवेल को चालू कराने में किसानों को अतिरिक्त आर्थिक भार भी उठाना पड़ेगा।



चोरी की घटना के बाद पीड़ित किसान मामला दर्ज कराने पुष्कर थाना पहुंचे।

एक साथ कई खेतों में चोरी की घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि खेत आबादी क्षेत्र से दूर होने के कारण रात के समय यहां निगरानी कम रहती है। इसी का फायदा उठाकर चोर आसानी से खेतों में पहुंचकर बोरवेल और सोलर उपकरणों को निशाना बना रहे हैं। ग्रामीणों ने रात के समय पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने पर पुष्कर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने चोरी से जुड़े साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के क्षेत्र की जानकारी भी ली। पीड़ित किसानों की शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इसके साथ ही पूर्व में इस तरह की वारदातों में शामिल रहे संदिग्धों की जानकारी भी जुटाई जा रही है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि चोरी की वारदात में स्थानीय लोगों की भूमिका है या बाहर से आया कोई गिरोह इसमें शामिल है।

ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से होकरा गांव और आसपास के कृषि क्षेत्रों में रात के समय नियमित गश्त बढ़ाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि खेतों में लगे बोरवेल, सोलर सिस्टम और अन्य कृषि उपकरण महंगे होते हैं और इनके चोरी होने से सीधे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरी का जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा चोरी हुआ सामान बरामद कराने की मांग की है।

- चोर बोरवेल मशीनों में लगी कॉपर केबल, सोलर उपकरण, ट्रांसफॉर्मर से जुड़े सामान और बोरवेल मोटरों के उपकरण ले गए

एसी कोच बस डिवाईडर पर चढ़ी, बाल-बाल बचे यात्री

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सवारियों से भरी एसी कोच बस के अनियंत्रित होकर डिवाईडर पर चढ़ गई। गनीमत रही कि हादसे में किसी भी यात्री को चोट नहीं पहुंची।

जानकारी के अनुसार यात्रियों से भरी एसी कोच बस गुजरात की ओर से जयपुर जा रही थी, बस में सवार यात्री गुजरात में सरदार पटेल की स्मृति में बने स्टेचू ऑफ यूनिटी से वापस लौट रहे थे कि बस कैथून थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर अचानक से अनियंत्रित होकर एक्सप्रेस-वे के डिवाईडर से टकरा गई। संभावना जताई जा रही है कि चालक को झपकी आ जाने से बस अनियंत्रित हो गई।

- कैथून थाना इलाके में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा

कैथून थानाधिकारी मनोज सिंह सिकरवार ने बताया कि दुर्घटना मंडाना से कैथून के बीच दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुई है। दुर्घटना में कोई हताहत भी नहीं हुआ है, बस को घटनास्थल से वापस एक्सप्रेस-वे पर लाया गया, जिसके लिए क्रेन की मदद ली गई, जिसके बाद बस वापस जयपुर की तरफ रवाना की गई।

महिला टीचर से अभद्र व्यवहार करने पर व्याख्याता सस्पेंड

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले में एक स्कूल के व्याख्याता को महिला टीचर के साथ अभद्र व्यवहार करने और परेशान करने के मामले में सस्पेंड किया गया है। पीड़िता की शिकायत के बाद शिकायत समिति ने जांच में दोषी पाया। शिक्षक को अब निलंबन अवधि के दौरान बारां उपस्थिति देनी है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजस्थान, बीकानेर की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। आदेश के मुताबिक, शिक्षक पर महिला व्याख्याता के साथ जबरदस्ती नजदीकी बढ़ाने, अकेले मिलने का प्रयास करने और उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए थे। मामले में कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न संबंधी आंतरिक शिकायत समिति की ओर से जांच की गई। जांच के दौरान पीड़ित व्याख्याता की शिकायत और कक्षा 10 की छात्राओं के बयानों के आधार पर प्रथम दृष्टया मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप प्रमाणित पाए गए।

आदेश के अनुसार, शिक्षक का आचरण शिक्षक की गरिमा के विपरीत है और इसे घोर दुराचरण की श्रेणी में माना गया और उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान व्याख्याता का मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक-बारां रहेगा और उसे नियमानुसार निर्वाह भत्ता देय होगा।

मामले को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक प्रतिभा सिंह ने बताया कि निदेशालय से सस्पेंड करने का ऑर्डर आया है। आगे की कार्रवाई के लिए इसकी सूचना मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (सीबीईओ) ऑफिस को दे दी गई है।

दौसा के बालाहेडा ग्राम के पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के खिलाफ कार्रवाई

दौसा, (निसं)। जिले की बालाहेड़ा ग्राम पंचायत के पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के खिलाफ 2014 से 2019 तक के कार्यकाल में वित्तीय अनियमितता और फर्जी बिल से भुगतान आदि मामलों को लेकर ग्रामीण विकास विभाग ने कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार 22 सितंबर 2026 को एक प्रकरण में जांच अधिकारी पंचायत समिति बेजूपाड़ा द्वारा जिला कलैक्टर दौसा को दी गई जांच रिपोर्ट में पूर्व सरपंच सीताराम मीणा को 2014 से 18 और 2019-20 की अवधि में जांच में वर्णित 171 कार्यों में वित्तीय अनियमितता कर राजकोष को किए गए 1701633 रूपये के नुकसान के लिए दोषी और जिम्मेदार माना है। इसके अलावा ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित कराए गए विभिन्न सीसी/ इंटरलॉकिंग सड़को के निर्माण कार्य की कम्प्रेसिव स्ट्रेंथ रिपोर्ट के बिना उपयोगिता प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में पूर्व सरपंच सीताराम मीणा और संबंधित तकनीकी अधिकारी को भी दोषी माना है। एक अन्य मामला जिसमें पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के कार्यकाल में ग्राम पंचायत द्वारा निजी खातेदारी जमीन में गैर मुमकिन ग्रेवल सड़क का निर्माण कर वित्तीय अनियमितता और राजकोष के दुरुपयोग किया गया था।

- 2014 से 2019 तक के कार्यकाल में वित्तीय अनियमितता और फर्जी बिल से भुगतान आदि मामले में ग्रामीण विकास विभाग ने कार्रवाई की

प्रार्थी भवानी सिंह मीणा की शिकायत पर की गई जांच के उपरांत दोषी पाए जाने पर नरेगा आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने दिनांक 10 फरवरी 2026 को 739115 रुपए की वसूली करने और एफआईआर दर्ज करवाकर सरपंच सीताराम मीणा के विरुद्ध धारा 38 की कार्रवाई के निर्देश दिए। नरेगा आयुक्त ने संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई करने और विभागीय जांच प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए थे। इसके अलावा दो अलग अलग शिकायतों पर हुई जांच के में दोषी पाए जाने पर पंचायती राज विभाग से संबंधित योजनाओं और निर्माण कार्यों में अनियमितता को लेकर 3930447 रूपये और 1175453 रूपये की वसूली, दोषी कार्मिकों और पूर्व सरपंच सीताराम मीणा से करने के निर्देश दिए गए। पूर्व सरपंच सीताराम मीणा केवल घोटालों तक ही सीमित नहीं रहे बल्कि वनखंड पाटोली गगवाना के बालाहेडा वन क्षेत्र में 5 बीघा जमीन पर अतिक्रमण का भी मामला सामने आया है।जनवरी 2024 में वन विभाग द्वारा अतिक्रमण हटावाने के बावजूद उक्त भूमि पूर्व सरपंच सीताराम मीणा के कब्जे में ही हैं।

धोखे से नगदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। शहर के हिरणमगरी एवं अम्बामाता थाना पुलिस ने धोखे से नगदी हड़पने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित पूनम घावरी पत्नी कुलदीप निवासी एफसीआई गोदाम के पिछे चंदेरिया चित्तौड़गढ़ हॉल न्यू शिव नगर सेक्टर 3 ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 28 सितंबर को मेरे मोबाइल पर आए मैसेज पर क्लिक किया तो बदमाश ने कुछ समय बाद खाते से दो टुकड़ों में 1 लाख 24 हजार रूपये निकाला लिए। इसी तरह अम्बामाता थाना पुलिस ने हॉस्पीटल संचालक डॉ. प्रज्ञा गर्ग की रिपोर्ट पर आरोपी राकेश कौल के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

महिला के मुंह पर स्प्रे कर घर से आभूषण और नगदी चुराई

जोधपुर, (कासं)। झंवर थाना क्षेत्र के दईपड़ा खींचियान गांव में घर में अकेली महिला को स्प्रे कर बेहोश करने के बाद सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़िता वरजू कंवर पत्नी सुजानसिंह ने पुलिस को रिपोर्ट दी है।

रिपोर्ट के अनुसार 29 सितंबर को सुबह करीब 11 बजे वह घर पर अकेली थी। तब दो महिलाएं घर के गेट पर आई। महिला के बाहर आने पर दोनों ने उसके मुंह पर स्प्रे कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गई। करीब एक घंटे बाद होश आने पर उसने देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ था। पीड़िता ने अपने देवर को फोन कर घटना की जानकारी दी। इसके बाद घर में रखे आभूषण और नकदी गायब मिले। रिपोर्ट में करीब दो तोला सोने के कानों के आभूषण, आधा तोला सोने का मांदलिया, आधा तोला सोने की अंगूठी, करीब 30 तोला चांदी की पायल तथा 2 लाख 27 हजार रुपये नकद चोरी होने की बात कही गई है। झंवर थाना पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच उपनिरीक्षक मनोज कुमार मीणा को सौंपी है। पुलिस मामले में संदिग्ध महिलाओं की तलाश और घटना की जांच कर रही है।

29 हजार के कर्ज के बदले पिता-पुत्र से वर्षों तक काम कराने का आरोप

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद उपखंड के रामसर गांव में कर्ज के बदले लंबे समय तक श्रम करवाने का मामला सामने आया है। प्रशासन एवं राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास के प्रयासों से किशनगढ़ निवासी श्रमिक शिवराज भील को कार्यस्थल से मुक्त कराया गया। इसके बाद उसे उपखंड अधिकारी एवं उपखंड मजिस्ट्रेट नसीराबाद कल्पित शिवरान के समक्ष प्रस्तुत कर बयान दर्ज करवाए गए। प्रशासन ने मामले की जांच के लिए संबंधित अधिकारियों की संयुक्त टीम को नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और अंतिम रिपोर्ट के बाद ही कानूनी स्थिति स्पष्ट होगी।

श्रमिक ने प्रशासन को दिए बयान में बताया कि उसने वर्ष 2024 में इलाज के लिए 29 हजार रुपये का कर्ज लिया था। इसके बाद कर्ज चुकाने के लिए उसके बेटे को काम पर रखा गया। उसके अनुसार बेटे से प्रतिदिन करीब 17 घंटे तक 40 से 45 भैंसों की देखभाल और चराने का काम कराया जाता था। काम के बदले मिलने वाली राशि कर्ज की कटौती के रूप में बताई जाती थी। श्रमिक ने बयान में बेटे के साथ कथित रूप से मारपीट और गाली-गलौज किए जाने की बात भी कही है। कुछ समय बाद बेटा वहां से निकल गया, लेकिन उसके अनुसार बाद में उसे दोबारा काम पर लगाया गया।


प्रशासन एवं राजस्थान महिला कल्याण मंडल चाचियावास के प्रयासों से किशनगढ़ निवासी श्रमिक शिवराज भील को कार्यस्थल से मुक्त कराया गया।

शिवराज के अनुसार बाद में बेटे के स्थान पर उससे स्वयं काम करवाया जाने लगा। उसने बताया कि करीब एक वर्ष तक प्रतिदिन लगभग 17 घंटे काम करने के बावजूद उसे केवल 1,000 से 1,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाते थे। सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यों के लिए जाने पर रोक लगाए जाने की बात भी उसने प्रशासन को बताई। श्रमिक के अनुसार जब वह वहां से निकलकर अपने पिता के पास पहुंचा तो उस पर 75 हजार रुपये बकाया होने की बात कही गई और दोबारा काम पर आने का दबाव बनाया गया। उसने धमकी दिए जाने तथा उसके और उसके बेटे के अंगूठे लेकर करार तैयार किए जाने की बात भी प्रशासन को बताई है। श्रमिक ने रामसर निवासी तैयब खत्री का नाम कथित रूप से मालिक के तौर पर बताया है। हालांकि, लगाए गए आरोप फिलहाल जांच के अधीन हैं।

- श्रमिक ने बताया कि वर्ष 2024 में इलाज के लिए 29 हजार रुपये का कर्ज लिया था, इसके बाद कर्ज चुकाने के लिए बेटे को काम पर रखा गया था

बंधित श्रम पद्धित उन्मूलन अधिनियम, 1976 का उद्देश्य बंधुआ मजदूरी व्यवस्था को समाप्त करना तथा आर्थिक एवं शारीरिक शोषण से प्रभावित लोगों को कानूनी संरक्षण देना है। कर्ज या अग्रिम राशि के बदले किसी व्यक्ति से उसकी स्वतंत्रता प्रभावित करने वाली बाध्यकारी श्रम व्यवस्था कराना कानून के दायरे में आ सकता है। ऐसे मामलों में श्रमिक की पहचान, मुक्ति, संरक्षण, कानूनी कार्रवाई और पुनर्वास की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होती है। प्रशासन की जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि प्रकरण में बंधुआ मजदूरी संबंधी कानूनी प्रावधान लागू होते हैं या नहीं। फिलहाल उपखंड प्रशासन की ओर से शिवराज को औपचारिक रूप से बंधुआ श्रमिक घोषित नहीं किया गया है। प्रशासन द्वारा बयान एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

सूरत-उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस उदयपुर पहुंची

उदयपुर, (निसं)। गुजरात और राजस्थान के बीच रेल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में भारतीय रेलवे ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने शुक्रवार को सूरत में आयोजित समारोह में सूरत-उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसी कार्यक्रम में वीसी से वलसाड़-सूरत दैनिक का भी शुभारंभ किया गया। दोनों नई रेल सेवाओं से गुजरात के प्रमुख शहरों और उदयपुर के बीच आवागमन को नया विकल्प मिलेगा। उद्घाटन के दौरान वलसाड़ से रवाना हुई ट्रेन नवागरी रेलवे स्टोशन पहुंची, यहां केन्द्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने ट्रेन को आगे की यात्रा के लिए हरी झण्डी दिखाई।

सूरत-उदयपुर वंदेभारत एक्सप्रेस को ट्रेन संख्या 26903/26904 के रूप में संचालित किया जायेगा। ट्रेन संख्या 26904 उदयपुर-सूरत वंदेभारत एक्सप्रेस उदयपुर से 3 अक्टूबर को दोपहर 15.35 बजे रवाना होकर 23 बजे सूरत पहुंचेगी। सूरत से यह ट्रेन संख्या 26903 के रूप में 4 अक्टूबर को सूरत से सुबह 6.10 बजे प्रस्तान कर दोपहर 13.40 बजे उदयपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में 6 दिन संचालित होगी। इस ट्रेन का ठहराव जावर, डूंगरपुर, शामलाजी रोड़, असारवा, गांधीनगर, आणंद, बडोदरा और भरूच में होगा।

गौरतलब है कि उदयपुर राजस्थान का प्रमुख पर्यटन शहर और गुजरात से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचते हैं। सूरत, बडोदरा, अहमदाबाद क्षेत्र और दक्षिणी गुजरात से उदयपुर आने वाले यात्रियों के लिए वंदेभारत एक तीव्र और आधुनिक रेल विकल्प उपलब्ध करायेगी।

झुंझुनूं की ऐतिहासिक तुलस्यान बावड़ी में स्वच्छता अभियान चलाया

गांधी-शास्त्री जयंती पर कलेक्टर सहित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने श्रमदान किया

झुंझुनूं, (निसं)। गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को राणी सती रोड स्थित ऐतिहासिक तुलस्यान बावड़ी में स्वच्छता अभियान चलाकर स्वच्छता और विरासत संरक्षण का संदेश दिया गया।

'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत जिला प्रशासन, नगर परिषद एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग सहित जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, ट्रस्टियों एवं स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने बावड़ी परिसर में सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। ऐतिहासिक जल धरोहर के संरक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान तुलस्यान चैरिटी ट्रस्ट के डॉ. डीएन तुलस्यान सहित ट्रस्टियों ने जिला प्रशासन के समक्ष बावड़ी के भव्य कायाकल्प एवं जीर्णोद्धार का प्रस्ताव रखा। ट्रस्टियों ने बताया कि प्रशासन एवं राज्य सरकार का सहयोग मिलने पर भामाशाहों के माध्यम से तुलस्यान बावड़ी का जीर्णोद्धार कराया जा सकता है। बावड़ी को उसके ऐतिहासिक स्वरूप के अनुरूप विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जाने की बात रखी गई। इस पर जिला कलैक्टर डॉ. अरूण गर्ग ने जल्द बैठक आयोजित कर बावड़ी के पुनर्निर्माण एवं संरक्षण की रूपरेखा पर चर्चा करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में आकांक्षा मोदी उर्फ बावड़ी बाईसा, पूर्व जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरी, नगर परिषद सभापति अब्दुल्ला अगवान, उपसभापति वीरेंद्र डारा, पर्यटन विभाग के उप निदेशक देवेंद्र सिंह, पीआरओ हिमांशु सिंह सैनी सहित पार्षद, ट्रस्टी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम ने स्वच्छता के साथ झुंझुनूं की प्राचीन जल धरोहरों के संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि ऐतिहासिक बावड़ियां क्षेत्र की स्थापत्य, जल प्रबंधन एवं सांस्कृतिक विरासत की महत्वपूर्ण पहचान हैं। इनके संरक्षण के लिए प्रशासन, भामाशाहों और आमजन की सामूहिक भागीदारी जरूरी है।


प्रशासन के अधिकारियों और नागरिकों ने बावड़ी में सफाई की।

- कार्यक्रम के दौरान लोगों ने बावड़ी परिसर में सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया

पुष्कर में तीन विदेशी महिलाएं वीजा नियमों के उल्लंघन पर पकड़ी गई

पुष्कर, (कासं)। विदेशी नागरिकों के अवैध रूप से रहने और वीजा नियमों के उल्लंघन की सूचना पर एफआरओ क्षेत्राधिकार में पुलिस एवं संबंधित टीमों ने पुष्कर के विभिन्न होटलों में जांच की। जांच के दौरान तीन विदेशी महिलाओं के नियमों के विपरीत भारत में रहने की जानकारी सामने आई। इसके बाद तीनों को भारत से निर्वासन की कार्रवाई पूरी होने तक अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 सितंबर को कार्यालय एवं पुष्कर यूनिट की टीम ने सूत्र से मिली सूचना के आधार पर पुष्कर स्थित होटल श्री पैलेस की जांच की। होटल में विदेशी महिला के ठहरने की जानकारी सामने आने पर संचालक से उसके दस्तावेज मांगे गए, लेकिन संचालक दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा सका। होटल रजिस्टर की जांच में भी विदेशी महिला का विवरण दर्ज नहीं मिला। टीम ने महिला कांस्टेबल की मौजूदगी में विदेशी महिला के कमरे की जांच की और दस्तावेजों के संबंध में पूछताछ की। महिला ने पासपोर्ट एवं वीजा की मूल प्रति उपलब्ध नहीं होने की बात कही, लेकिन मोबाइल में उनकी प्रतियां होने की जानकारी दी। मोबाइल से प्राप्त दस्तावेजों को ऑनलाइन पोर्टल पर जांचने के बाद महिला की पहचान एवं यात्रा संबंधी जानकारी सत्यापित की गई। जांच में सामने आया कि विदेशी महिला ने 6 मार्च 2025 को भारत में प्रवेश किया था। उसके वीजा की 90 दिन की वैधता समाप्त हो चुकी थी और वह इसके बावजूद गुरुग्राम/दिल्ली क्षेत्र में अवैध रूप से ओवरस्टे कर रही थी। जांच के अनुसार महिला करीब चार-पांच दिन पहले पुष्कर के उक्त होटल में आकर ठहरी थी और वह एक वर्ष से अधिक समय से भारत में निर्धारित अवधि से अधिक रह रही थी। इसी दौरान थाईलैंड की नागरिकाओं द्वारा भारत-नेपाल सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश किए जाने संबंधी स्टेट स्पेशल ब्रांच, जयपुर से मिले अलर्ट के आधार पर भी जांच की गई। 29 सितंबर को होटल चैकिंग के दौरान पुष्कर के नाला क्षेत्र स्थित होटल मूमल रिसोर्ट में दो थाईलैंड की नागरिकाओं के ठहरने की जानकारी मिली। टीम ने दोनों विदेशी महिलाओं के दस्तावेजों की जांच की और ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से उनकी जानकारी ट्रैक की। जांच में दोनों के भारत-नेपाल सीमा के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने की जानकारी सामने आई।

- तीनों को भारत से निर्वासन की कार्रवाई पूरी होने तक अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर भेजा

विदेशी नागरिकाओं द्वारा वीजा नियमों का उल्लंघन पाए जाने के बाद गृह विभाग, राजस्थान सरकार की ओर से उन्हें उनके देश भेजे जाने तक डिटेंशन सेंटर में रखने के आदेश जारी किए गए। आदेश की पालना में 1 अक्टूबर 2026 को तीनों विदेशी महिलाओं को पुलिस गार्ड के साथ अलवर स्थित डिटेंशन सेंटर भेज दिया गया। अधिकारियों के अनुसार आगामी दिनों में भी पुष्कर क्षेत्र के होटल और गेस्ट हाउस की लगातार जांच की जाएगी। वीजा नियमों का उल्लंघन करने या निर्धारित अवधि से अधिक समय तक भारत में रहने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान कर उनके निर्वासन और ब्लैकलिस्ट किए जाने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवैध रूप से ओवरस्टे करने वाले विदेशी नागरिकों को ठहराने अथवा उन्हें सहयोग देने वाले होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।